भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय शूकर अनुसंधान केंद्र में राजभाषा कार्यान्वयन का निरीक्षण एवं राजभाषा कार्यशाला का आयोजन

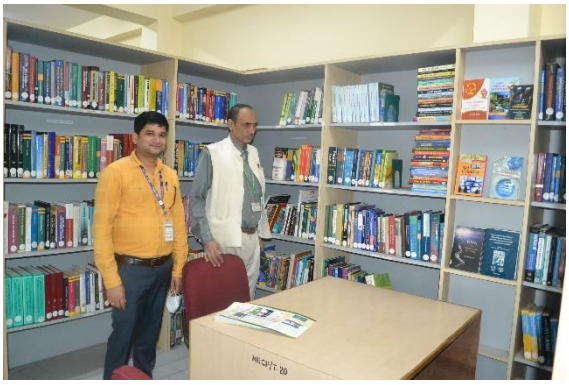

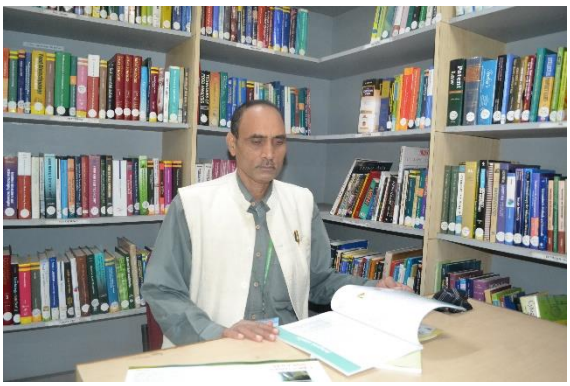

उप निदेशक एवं कार्यालय प्रमुख, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (पूर्वोत्तर), गुवाहाटी के श्री बदरी यादव जी द्वारा आज दिनांक 30 अगस्त, 2021 दिन सोमवार को संस्थान के राजभाषा कार्यान्वयन का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान के विभिन्न अनुभागों का निरीक्षण किया एवं राजभाषा के कामकाज की समीक्षा की। राजभाषा प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ सतीश कुमार एवं सहायक प्रशासनिक अधिकारी, श्री उत्तम प्रकाश जी ने संस्थान के द्वारा राजभाषा के प्रचार के लिए किए जा रहे कार्य की जानकारी दी एवं हिन्दी के कामकाज की प्रगति से अवगत कराया। निरीक्षण के दौरान पुस्तकालय, निदेशक कार्यालय, प्रशासनिक खंड, मुख्य भवन का दौरा किया गया एवं हिन्दी के कार्यों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उप निदेशक महोदय ने संस्थान के कार्यों की प्रशंसा की एवं हिन्दी के प्रगामी प्रयोग द्वारा राजभाषा के विकाश के लिए संस्थान को आवश्यक सुझाव भी दिया।

राजभाषा प्रकोष्ठ, भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय शूकर अनुसंधान केंद्र, राणी, गुवाहाटी द्वारा दिनांक 30 अगस्त, 2021 (सोमवार) को "राजभाषा नियमों के अनुसार सरल व सहज हिन्दी में सरकारी कामकाज" विषय पर राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया

। इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि, उपनिदेशक एवं कार्यालय प्रमुख, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, गुवाहाटी के श्री बदरी यादव जी थे। सर्वप्रथम प्रभारी, राजभाषा प्रकोष्ठ एवं आयोजन सचिव डॉ सतीश कुमार ने निदेशक महोदय एवं मुख्य अतिथि का स्वागत किया एवं सभी प्रतिभागियों को इस कार्यशाला के विषय में जानकारी दी। कार्यशाला के आयोजन का उद्देश्य संस्थान के वैज्ञानिकों एवं कार्मिकों को राजभाषा नियमों के बारे में जानकारी देते हुए हिन्दी में कामकाज करने के लिए प्रेरित करना था। इस कार्यशाला का उद्घाटन निदेशक महोदय, डॉ विवेक कुमार गुप्ता जी के सम्बोधन के साथ हुआ। उन्होंने इस कार्यशाला के महत्व को उजागर करते हुए सभी अधिकारियों एवं कार्मिकों से अधिक से अधिक काम हिन्दी में करने की अपील की। मुख्य अतिथि, श्री बदरी यादव जी ने इस कार्यशाला में राजभाषा के उद्भव का इतिहास एवं इससे संबंधित नियमों के बारे में विस्तार से चर्चा की एवं सरल तरीके से हिन्दी का प्रयोग कार्यालय कामकाज में करने की जानकारी दी। संस्थान से 25 वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों ने अपनी सहभागिता प्रदान की। कार्यशाला का समापन सहायक प्रशासनिक अधिकारी, श्री उत्तम प्रकाश, के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।